तक अनौपचारिकता और अंतरंगता की ओर बढ़ती जाएगी तथा स्त्री को हेय मानने वाले (3) समाज में वह भाषा नितांत अनौपचारिता से प्रारंभ होकर अवज्ञा, गाली-गलौज और अश्लीलता की सीमा तक चली जाती है। जैसे–

(1) देवी, कभी हमारे घर भी पधारने की कृपा करें।

(2क) आप कहाँ जा रही हैं?

(2ख) तुम कहाँ जा रही हो?

(2ग) तू कहाँ जा रही है?

(3क) तू कहाँ जा रही है?

(3ख) मुझे समझाने वाली तू होती कौन है?

भारत सहित विश्व के कई समाजों में पत्नी को भी अधीनस्थ की श्रेणी में रखा जा सकता है। यों, यहाँ स्त्री मात्र को पुरुष का अधीनस्थ कहा जा सकता है, चाहे वह उसकी बहन, बेटी अथवा माँ भी क्यों न हो। स्वाभाविक रूप से इस प्रकार के समाज में स्त्री वर्ग और पुरुष वर्ग की भाषा में अंतर मिलता है। स्त्रियों की भाषा में विनम्रता अधिक होती है। विश्व के लगभग सभी देशों में स्त्रियों की भाषा अधिक परिष्कृत होती है। उसमें वर्जित एवं अश्लील शब्दों का प्रयोग नहीं होता। इसी प्रकार उनकी भाषा में सम्मान देने वाले शब्दों का प्रयोग अधिक होता है। उदाहरणार्थ, हिंदी भाषी पुरुष महिलाओं के संदर्भ में 'तू' और 'तुम' सर्वनाम का प्रयोग अधिक करते हैं तो महिलाएँ प्राय: सर्वनाम 'आप' और 'तुम' का प्रयोग करती हैं।

यह स्थिति यहीं समाप्त नहीं होती। पति-पत्नी, प्रेमी-प्रेमिका के संबंधों में भी समाज के सामने भाषा का एक रूप होता है तो अंतरंगता के क्षणों में भाषा का रूप परिवर्तित हो जाता है। इस प्रकार भाषा सामाजिक स्तर भेद की दृष्टि से किसी एक सीधी रेखा पर नहीं चलती, समय और परिस्थिति के अनुरूप वह परिवर्तित होती रहती है।

उपर्युक्त विवेचन यह स्पष्ट करता है कि अपने से छोटे स्तर के लोगों के लिए भाषा का रूप अनौपचारिक होता है, समान स्तर के लोगों के लिए औपचारिक-अनौपचारिक की सीमा पर तथा उच्च स्तर के लोगों के लिए औपचारिक। यह एक स्थूल-सा वर्गीकरण है। परंतु जो भाषा व्याकरण के नियमों में नहीं बँधती, वह किसी अन्य नियम को कैसे मानेगी, विशेषत: तब जब समाज ही एक रूप न हो। स्वाभाविक है कि भिन्न स्तरीय समाज की भाषा भी भिन्न रूप ही होगी।

उच्च-मध्य निम्न वर्ग के भाषाई भेद को लेकर कई सर्वेक्षण हुए हैं जिनसे यह बात उभरकर सामने आती है कि ध्वनि, शब्द, वाक्य आदि सभी स्तरों पर इन वर्गों के भाषा-ज्ञान और भाषा-प्रयोग में पर्याप्त भेद है। दितमार (नॉरबर्ट) द्वारा प्रस्तुत टैम्पलिन के एक भाषा-सर्वेक्षण ने इस बात को सिद्ध किया कि आयु बढ़ने के साथ

Scanned by TapScanner